राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम : हिंदी
पाठ 7 : एक था पेड़ और एक था ठूंठ
कार्यपत्रक - 7

1. जीवन में समझौतावादी दृष्टि का क्या महत्व है?एक उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।
2. कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' के साहित्य की दो प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
3. जीवन की विभिन्न परिस्थितियाँ हमें कैसे प्रभावित करती हैं? अपने जीवन से एक उदाहरण के द्वारा प्रस्तुत कीजिए।
4. लेखक ने एक हरे वृक्ष और एक ठूंठ की तुलना क्यों की है? टिप्पणी कीजिए।
5. लेखक का मत है कि सलीके से जीवन जीने के लिए दूसरों तक अपनी बात पहुँचाना होगा और दूसरों की बात सुनना होगा। इस संबंध में आपका क्या मत है? प्रस्तुत कीजिए।
6. रावन का उदाहरण देकर क्या सन्देश देने की कोशिश की गई है? वर्णन कीजिए।
7. कुदाल और कुल्हाड़ी के माध्यम से किस ओर संकेत किया गया है? स्पष्ट कीजिए।
8. जीवन में दृढ़ता का क्या महत्व है? पाठ के आलोक में प्रस्तुत कीजिए।
9. 'हमारा जीवन ऐसे वृक्ष की तरह होना चाहिए कि उसका कुछ भाग हिलने-झुकनेवाला हो और कुछ भाग स्थिर रहनेवाला।'इस कथन की व्याख्या कीजिए।
10. प्रभाकरजी की भाषा-शैली की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।